1948 में गांधी जी की हत्या के बाद सरकार ने आरोप लगाकर हजारों स्वयंसेवकों को गिरफ्तार किया। नाना भी जेल गए।

जेल में गार्ड के नेता मोइनुद्दीन से उनकी दोस्ती हुई। नेशनल कांग्रेस के नेता रफी अहमद किदवई मोइनुद्दीन से मिलने आते थे। वे भी नाना के मित्र बन गए। नाना अलग–अलग विचारधारा के लोगों को भी अपनी ओर आकर्शित कर लेते थे।

6 महीने बाद जेल से बाहर आने पर।